भाजपा नेता के लापता होने के रहस्य से नहीं उठ पाया पर्दा

करनाल, करनाल शहर में बीजेपी नेता और व्यापारी संजय गांधी के लापता होने के रहस्य से आज भी पर्दा न उठने से लोगों में भाजपा नेता एक पहेली बने हुए हैं। अभी तक उनका कोई सुराग नहीं लगने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। पश्चिमी यमुना नहर के पास संजय गांधी की स्कूटी लावारिस हालत में मिलने से उनके नहर में डूबने की संभावनाएं जताई गई। नहर में गोताखोरों की टीम द्वारा सर्च अभियान चलाया जा रहा है। उनकी मुख्यमन्त्री मनोहर लाल से नजदीकियां बताई जाती हैं।

करनाल के नरसी विलेज निवासी भाजपा नेता एवं व्यापारी संजय गांधी 23 अगस्त सुबह घर से निकले थे। वे अपने स्वीपर की स्कूटी लेकर गए थे। संजय गांधी के घर न आने की सूचना के बाद से परिजन उसकी खोज में लगे है।

बताते है कि संजय गांधी लॉकडाउन के समय से ही डिप्रेशन में चल रहे थे, क्योंकि उनके सामने बिजनेस में दिक्कत पेश आ रही थी। उनकी शूज की दुकान थी, काफी अच्छे व्यापारी थे। लॉकडाउन के समय में उन्होंने पार्टियों को उधार में सामान दे रखा था, जिन पार्टियों को सामान दिया हुआ था, वे पार्टियां पैसे नहीं दे रही थीं जबकि व्यापारी संजय गांधी को तो पैसे देने ही थे। इसलिए संजय गांधी डिप्रेशन में चल रहे थे।

आयकर विभाग केवल आम आदमी को लूटने के लिए ही रह गया है

करनाल (जेके शर्मा) आयकर विभाग केवल आम आदमी को लूटने के लिए ही रह गया है वरना एक संगठित गिरोह बंदी बना ली है किसी सरकारी संविधान के कानून को नहीं मानते इन गिरोह कट अधिकारियों की शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय को भी की गई लेकिन कोई परवाह नहीं करनाल हरियाणा के शिकायतकर्ता प्रवीण कुमार ने एक स्थानीय व्यापारी राजेंद्र गांधी के पुत्र ठाकुरदास गांधी सेवानिवृत्त आयकर आयुक्त के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई। जिसमें आयकर विभाग व विक्रीकर में लाखों का घोटाला दर्ज हुआ बिक्री कर विभाग ने तो शिकायतकर्ता का संज्ञान लेकर 84 लाख 48 हजार 74 रु. रिकवरी बना दी और 15 लाख 60 हजार रु. श्री आर सी मितल तत्कालीन उप आबकारी कराधान अधिकारी करनाल ने वसूल भी किए। लेकिन आयकर विभाग अधिकारियों ने गिरोह बंदी कर अपने अधिकारी पुत्र को बचाने की कसम उठा ली। लगातार 20 साल तक शिकायतकर्ता ने स्थानीय कार्यालय से मुख्य कार्यालय तक निजी तौर पर विभागीय स्तर पर सभी प्रकार के साक्ष्यों के साथ लगातार शिकायतें भेज कर उचित कार्रवाई करने की गुहार लगाई लेकिन आयकर अधिकारी जी अपने ही पद का लाभ लेकर अधिकारी पुत्र राजेंद्र गांधी को बचाने में हर संभव प्रयास कर रहे है ।

करनाल स्थित एक्टिव फुटवियर के मालिक राजेन्द्र गांधी पुत्र टी.डी गांधी (ठाकुर दास गांधी) तत्कालीन आयकर अधिकारी के खिलाफ एक शिकायत पत्र आयकर व बिक्रीकर दोनो विभागों को दिया गया था । जिसे बिक्रीकर कार्यालय ने पूरी जांच करने के बाद जिसके तहत 84 लाख 48 हजार 74 रु का डिमांड की जानकारी आने के बाद नोटिस दिया आयकर विभाग ने शिकायत को सही तो और आयकर अधिनियम 1961की धारा 271/274 के तहत पैनल्टी नोटिस देना पड़ा।

सबसे हैरानी वाली बात ये रही की एक्टिव फुटवियर मौजूदा आयकर अधिकारी का पुत्र राजेन्द्र गांधी के नाम के साथ उसमें उसकी मां आयकर अधिकारी ठाकुरदास गांधी की पत्नी भी हिस्सेदार बताई गई थी। लेकिन विभाग का कमाल देखिये की जांच कर्ता अधिकारी ने आयकर कानून 1961 की धारा 142 के अन्तर्गत नोटिस जारी कर निष्कर्ष निकाला की फर्म की उक्त दुकान काफी समय से बन्द कर दी गई है तथा मालिक का कोई अता पता नही है। जबकि एक्टिव फुटवियर की हिस्सेदार शीला गांधी ठाकुर दास गांधी तत्कालीन आयकर अधिकारी की 103/13 के साथ रह रही थी । आयकर कानून की धारा 144 के अन्तर्गत केस को पैनल्टी नोटिस देकर 271 के तहत डिमांड नोटिस घर पहुँचाने की बजाये दुकान पर चस्पा दिया।, लेकिन उसके बाद की कारवाई को आगे नही बढ़ाई गई और मामला फाईलो में ही दफन कर दिया ।

इस बारे में शिकायतकर्ता ने कई बार कार्यालय से सम्पर्क किया, लेकिन हर बार किसी न किसी बहाने मामले को टाल दिया गया।

अन्त में शिकायतकर्ता प्रवीण कुमार ने जनसूचना अधिकार अधिनियम 2005 के अर्न्तगत सूचना मांगी तथा सम्बधित कार्यालय से बार बार सम्पर्क किया। लेकिन सम्बधित अधिकारी ने बदनियती के साथ एक पत्र 20 जनवरी 2021 क्रमांक न0 4046 के तहत जानकारी देने से मना करते हुये यह टिप्पणी दे दी कि सूचना तीसरे व्यक्ति से सम्बधित है और तीसरे पक्ष की जानकारी की सूचना के रूप में प्रकटीकरण सम्भव नही है।

प्रथम अपीलीय अधिकारी प्रेम सिहं संयुक्त आयकर आयुक्त को अपील की गई तो उनका पत्र क्रमांक 2591 दिनांक 12.2.21में निराला उतर था कि नो लार्ज पब्लिक इनटरैस्ट इज फाऊण्ड इस लिये केस को फाईल करते हुये डिसमिस किया जाता है ।

सूत्रों की माने तो करनाल स्थित एक्टिव फुटवियर के मालिक राजेंद्र पुत्र टीडी गांधी तत्कालीन आयकर अधिकारी के खिलाफ लगभग 25 लाख की देनदारी है । लेकिन तमाम शिकायतें कागजों में दफन करके शिकायत को गोलमाल कर दिया कि इन्हीं के अधिकारी की पोल ना खुल जाए ।

भारत सरकार के भ्रष्टाचार उन्मूलन की तमाम कोशिशें विभाग द्वारा स्वयं ही खत्म की जा रही हैं। विभागीय अधिकारी अभी भी यह बताने की कोशिश नहीं कर रहा कि यह तृतीय पक्ष कैसे हैं? जबकि शिकायतकर्ता का पक्ष है कि यह मामला भ्रष्टाचार विरुद्ध और पब्लिक इंटरेस्ट की हैं । और मामला अधिकारी पुत्र को लाभ पहुँचाने के लिये ठण्डे बस्ते में है।

राजीव गांधी ने देश की एकता के लिए जीवन का बलिदान दिया

पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयन्ती पर हुई सर्व धर्म प्रार्थना, दी श्रद्धाजंलि

करनाल, डिजीटल युग के जनक पूर्व प्रधानमंत्री तथा सूचना क्रांति को देश मे लाने वाले भारत रत्न राजीव गांधी जी का जन्मदिन करनाल में मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर सुबह 9 बजे निर्मल कुटिया चौक पर सेक्टर आठ और सात के डिवाइडर रोड पर स्थित राजीव गांधी जी की प्रतिमा स्थली पर सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन किया गया। आयोजन राजीव गांधी पंचायती राज संगठन व जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इसके बाद सुबह 10 बजे श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक तथा जिला प्रभारी लहरी सिंह, ने राजीव गांधी के जीवन पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि राजीव जी ने अपना जीवन देश की एकता के लिए बलिदान कर दिया। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस नेताओं ने राजीव जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये।

पूर्व विधायक नरेंद्र सांगवान, जिला संयोजक त्रिलोचन सिंह,इंद्री से प्रत्याशी रही डॉ नवजोत कश्यप,घरौंडा से अनिल राणा ,राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के चेयरमैन डॉ सुनील पंवार, भूपेंद्र लाठर, सतपाल जानी,नाहर सिंह संधू, रण पाल संधू,राजेंद्र बल्ला,ललित बुटाना, रमेश सैनी,ओम प्रकाश सलुजा,जोगेंदर चौहान,अमर जीत धीमान,ललित

अरोड़ा,बिजेंद्र सैनी,दिनेश सैन,जोगेंदर वाल्मीकि,रजीव बुटाना डॉ गीता रानी,राज किरण सहगल,नजीम भाई,सुरेंद्र काल खां,अरुण पंजाबी,राज भारद्वाज,सुनेहरा वाल्मीकि,नरेंद्र जोगा,अशोक जैन, सुरजीत सैनी,कृष्णा गहलोत,संजीव गोस्वामी,दया प्रकाश मोंटी,किरण पाल घीड गण,कांग्रेस के सीनियर नेता तथा कार्यकर्ता मौजूद थे। इसके बाद जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जरूरतमन्द लोगों को खाद्य सामग्री वितरित की गई।

100 से ज्यादा स्कूलों को बंद करने के विरोध में युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

करनाल(जेके शर्मा) हरियाणा सरकार द्वारा 105 सरकारी स्कूलों को बंद करने के फरमान के बाद यूथ कांग्रेस विरोध में उतर आई है। यूथ कांग्रेस ने जिला सचिवालय के बाहर हस्ताक्षर अभियान चलाया और बाजुओं पर काली पट्टी बांधकर विरोध जताया।

हस्ताक्षर अभियान में शामिल युवा कांग्रेस के नेताओं ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के 105 सरकारी स्कूलों को बंद कर दिया है, जो शिक्षा विरोधी फैसला है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए, उतनी कम है। ग्रामीण अंचल के सरकारी स्कूलों में गरीब का बच्चा शिक्षा ग्रहण करता है। सरकारी स्कूल बंद हो जाएंगे तो गरीब का बच्चा कहां शिक्षा ग्रहण करेगा? सरकारी नीतियों के कारण अभिभावक, विद्यार्थी और शिक्षक तक सड़कों पर हैं।

हरियाणा के 22 जिलों में हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई है। हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से सरकार के कानों तक यह बात पहुंचाना चाहते हैं कि सरकार इन स्कूलों को बंद न करे और शिक्षा मंत्री की तरफ से जो तर्क दिया गया है, वह बड़ा ही हास्यास्पद है। सरकार का तर्क है कि इन स्कूलों में छात्रों की संख्या बहुत कम है।

सरकार अपने स्कूलों में व्यवस्था दुरुस्त करे और शिक्षकों की भर्ती करे। सरकार गरीबों से शिक्षा का हक छीनकर उन्हें अंधकार में धकेलना चाहती है।

कांग्रेस सिम्बल पर नहीं लड़ेगी पंचायती चुनाव : भूपेन्द्र हुड्डा

चण्डीगढ़ (जेके शर्मा) आज हुई हरियाणा कांग्रेस विधायक दल की मीटिंग में पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा से सलाह के बाद फैसला लिया गया कि पार्टी पंचायती चुनाव सिंबल पर नहीं लड़ेगी। यदि जिला परिषद चेयरमैन का सीधा चुनाव होता है तो उसे सिम्बल पर लड़ेगी। नगर निगम के चुनाव पार्टी सिंबल पर लडने का निर्णय किया है।

इस बारे में पूर्व सीएम ने कहा कि विधायकों की मीटिंग में फैसला लिया गया कि विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम अब 11 सितंबर को होगा। दिल्ली में 28 अगस्त को होने वाली रैली के कारण इसे आगे किया गया। प्रदेश में पंचायत चुनाव में सरकार को पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण का प्रावधान करना चाहिए। सरकार को पंचायती चुनाव पहले ही करवाने चाहिए थे, चुनाव प्रतीक्षा में विकास ठप रहा। भ्रष्टाचार बढ़ रहा है 20 अगस्त को राजीव गांधी की जयंती मनाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला जो शामलात भूमि पर आया, उसके तहत सरकार एक्ट में संशोधन लेकर आए। इस कारण लोगों को काफी परेशानी हो रही है। विलेज कॉमन लैंड यूटिलाइज नहीं हुई वो लोगों के पास है। हरियाणा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में ठीक ढंग से पक्ष नहीं रखा। उन्होंने किरण चौधरी द्वारा 29 अगस्त से अपने अलग चलाए गए कार्यक्रम के जवाब में कहा कि सभी विधायकों को जनता के बीच जाना चाहिए।